

क्रमांक सं०	उद्योगों का नाम
65.	कीबर् टैस्तिग उपस्कर
66.	*वाल्म लिपटर
67.	*वैल्ड किए हुए तारों की जाली
68.	*टायर बालकों को निकालने वाले प्रौजार
69.	*फ्यूल टाइम
70.	*हब लेप
71.	*ट्रक बाडी का निर्माण
72.	ट्यूब कटर
73.	*कमरा शीतल
74.	*पटाख
75.	*प्लास्टिक के हल्के बैटरी केस
76.	*फार्मूलेटेड परस्प्यूमरी कपाउंडम
77.	*पाम रोजा तेल
78.	* 4 कि० ग्राम तक के प्रैसर डाइ कार्स्टिय
79.	*प्रैसर गेज
80.	*स्पार्क प्लग क्लीनर्स तथा टैस्टर्स
81.	*स्लास होरोबर्स
82.	*कीटनाशक छिड़कन तथा स्प्रै करने का यंत्र
83.	स्कू एक्सटेंक्टर्स
84.	*सभी प्रकार के पुसर
85.	*हार्न बटन
86.	*टस साइड स्टोप व स्पार्ट लैम्प को जोड़ने क सामान
87.	बैटरी टर्मिनल लिपटर्स
88.	*बैटरी को बल व फिटिंस
89.	*बल्ब हार्न
90.	घरेलू बुनाई मशीने
91.	स्टार्ड रिमूवती (एक्सटेंक्टर्स)
92.	पसरिंग प्रौजार
93.	*रिंग कम्प्रेसर्स
94.	*गियर प्लवर्स
95.	*तार का उत्पाद
96.	*आर्नामीटल फिटिंस
97.	*रोलिंग ब्रटर्स
98.	टाव-इन-गेज
99.	रिंग एक्सपेंडर्स
100.	*सन वाइसर
101.	*सामान डोने वाली मशीने
102.	*भेदलिक कंबन्ट पाइप

क्रमांक सं०	उद्योगों का नाम
103.	*एच टायर
104.	*शीले
105.	*
106.	*बल्ब तथा बमड़े की बन्दुओं के लिए
107.	*फोमिंग टूल
108.	*धीम सौप तथा धातु की फिटिंग
109.	*मीटरिक तौलन क बाट
110.	* तथा फ्यूज बक्से
111.	*प्लास्टिक प्रोसेस्ड उत्पाद
112.	फ्लोयड रीज
113.	पारा डिक्सोरो बीजीन
114.	* तथा रजिस्टर्ड टैस्टर
115.	बाल्व को बदलने तथा उसको दुबारा बदलने के प्रौजार

**Applications for Setting up Cement Factories in Rewa, Mandasaur and Hoshangabad in M.P.**

7541 SHRI SUKHENDRA SINGH;  
SHRI HUKAM CHAND KACH-  
WAI;  
SHRI DAYARAM SHAKYA:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) total applications pending consideration for setting up cement plants in the State of Madhya Pradesh till March, 1979;

(b) whether proposal of the State Government for setting up such industries in Rewa, Rajgarh Mandasaur and Hoshangabad District of the State are pending consideration for a long time; and

(c) if so, its progress till March and his reaction thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV): (a) to (c). The following four applications for grant of industrial licences for manufacture of cement in the State of

Madhya Pradesh are at different stages of processing:

Sl. No.	Name of the applicant	Proposed Location	Capacity (in lakh tonnes)
1.	M/s. Gwalior Rayon Silk Mfg. (Wvg.) Co., Ltd.	Jawad, Distt., Mandaur	8.00
2.	M/s. Modi Rubber, Ltd	Bhatapara Distt, Raipur	9.00
3.	M/s. Delhi Cloth and Gen. Mills Co. Ltd.	Rewa Distt., Rewa	7.00
4.	M/s. Indian Rayon Corp Ltd	Hoshangabad Distt, Hoshangabad	5.40

**"Uncontrolled Scandal in Controlled Cloth"**

7542. SHRI G. M. BANATWALLA:  
DR. RAMJI SINGH:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government has seen the press reports in the Blitz dated the 24th March, 1979 under the heading 'Uncontrolled Scandal in Controlled Cloth'; if so, what; and

(b) whether Government propose to inquire into the matter and if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV): (a) and (b). The Press Report appearing in the Blitz of 24th March, 1979 contains criticism of new controlled cloth scheme on the assumption that textile mills have been given a holiday from producing controlled cloth and that controlled cloth was not reaching the consumer. With effect from 1-10-1978, instead of putting statutory obligations on each composite mill, production and supply of 400 million sq. metres in a year is to be maintained by procurement on contractual basis. The price for the consumer remains unchanged; the consumer prices are still way below the costs of production even after taking into consideration the fall in prices of cotton and therefore the question of further reducing consumer prices of controlled cloth does not arise.

While guidelines have been issued to State Governments about distribution

of controlled cloth, retail distribution of controlled cloth and supervision thereof is their responsibility. Unless there are specific instances of wrong channelling of controlled cloth, it is not considered worthwhile making any inquiries into the matter.

जाओरा, संबलौर में सीमेंट कारखाने की स्थापना करना

7543. श्री कबचसाल हेमराज जैन : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केंद्रीय सरकार को जिला मन्दासौर में जाओरा में एक सीमेंट कारखाने की स्थापना क लिए मध्यप्रदेश सरकार से एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हा, तो यह कब प्राप्त हुआ था , और

(ख) उस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है और इस बारे में विनम्र क क्या कारण है ?

उद्योग मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) (क) और (ख) जी नहीं । किन्तु जिला मन्दासौर (मध्य प्रदेश) में जावद में 80 लाख मी० टन वार्षिक क्षमता के एक सीमेंट सयंत्र को स्थापित करने क लिए मे० ग्वालियर रेयन लिमिटेड (बीवग) कम्पनी लि० से एक प्रस्ताव प्राप्त है । प्रस्तावित सीमेंट सयंत्र क संभरण क लिए तथा भारतीय सीमेंट निगम की नीमख परियोजना क विस्तार क जलिय इस क्षत्र में चून पत्थर के भण्डारों की पर्याप्तता की तकनीकी जाच की जा रही है ।

मध्य प्रदेश में सोयाबीन उद्योग स्थापित करने क लिए प्रस्ताव

7544. श्री कबचसाल हेमराज जैन : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केंद्रीय सरकार को मध्यप्रदेश में सोयाबीन पर प्राध्वारित उद्योग स्थापित करने क लिए कोई अनुशंसा पत्र प्राप्त हुआ है और यदि हां तो कब ; और

(ख) सरकार इस उद्योग को स्थापित करने के सम्बन्ध में क्या विचार कर रही है और इक